जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 281 प्रभात कोटा, सोमवार 24 जुलाई, 2023 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

चीन के आखिरी सम्राट आइसिन जिओरो पूयी की प्लैटिनम की घड़ी 62 लाख डॉलर में बिकी है। फिलिप्स ऑक्शन हाउस (एशिया) के थॉमस पेरात्ज़ी ने कहा कि, यह रकम पूर्व अनुमान (30 लाख डॉलर) से कहीं ज्यादा है, किसी सम्राट की घड़ी इससे पहले इतनी महंगी नहीं बिकी। सम्राट पूयी की कहानी पर 1987 में ऑस्कर विजेता फिल्म ''लास्ट एम्परर'' बनी थी। उन्होंने चिंग साम्राज्य के दौरान 1908 से 1912 के बीच चीन पर शासन किया था। पूयी ने सोवियत जेल से विदा होते समय अपने रुसी इन्टरप्रैटर (दुभाषिया) जॉर्जी परमायकोव को यह घड़ी तोहफे में दी थी। परमायकोव की मौत के बाद उसके परिजनों ने घड़ी एक अज्ञात खरीददार को बेच दी। एतिहासिक महत्व के अलावा भी इस घड़ी का काफी महत्व है, क्योंकि यह बेहद दुर्लभ है। कीमती घड़ियां बनाने वाली स्विस कम्पनी पातेक फिलीप ने इस तरह की मात्र 8 घड़ियां ही बनाई थीं। नीलामी से पहले ऑक्शन हाउस ने घड़ी का इतिहास व प्रामाणिकता सिद्ध करने के लिए तीन साल तक रिसर्च की। रिसर्च करने वाले विभिन्न विशेषज्ञों में शिकागो के फ्री लांस पत्रकार रसल वर्किंग भी शामिल थे। उन्होंने 2001 में परमायकोव का इंटरव्यू लिया था और उनके पास इस घड़ी को देखा भी था। पूयी 1908 में चीन के सम्राट बने थे, तब वे मात्र 2 साल के थे। चीन की क्रांति के बाद उन्हें 1912 में सिंहासन त्यागना पड़ा। उन्होंने अपना नाम बदलकर हैरी कर लिया, पर बीजिंग महल में ही रहते रहे। सन् 1934 से 45 तक, उन्होंने उत्तर पूर्वी चीन के जापान नियंत्रित क्षेत्र, मंचुकुओ की कठपुतली बनकर राज किया। पूयी के भतीजे आसिन जिओरो यूआन ने अपनी स्मृतियों में लिखा है कि, पूयी रोज यह घड़ी पहनते थे। दूसरे विश्व युद्ध के अंत में जब जापान ने मित्र राष्ट्रों के समक्ष आत्म समर्पण किया, तब सोवियत सेना ने पूयी को गिरफ्तार कर बंदी शिविर में रखा, पूयी अपने साथ निजी सामान के अलावा घड़ी भी ले गए, वहीं पर परमायकोव से उनकी दोस्ती हुई। बंदी शिविर से विदा होते समय उन्होंने परमायकोव घड़ी तोहफे में दे दी। घड़ी अभी भी काफी हद तक ठीक है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले सैनिक का कोर्ट मार्शल हुआ, 10 साल जेल

यह सैनिक कोविड लॉकडाउन के दौरान देश की उत्तरी सीमाओं की जासूसी सूचनायें दिल्ली में पाकिस्तानी दूतावास के एक कमर्चारी को देते हुये दस्तावेजों के साथ पकड़ा गया था

- **दिल्ली में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान के उच्चायोग में कार्यरत पाकिस्तानी नागरिक आबिद हुसैन उर्फ नाइक आबिद के संपर्क में था।**
- **सैनिक की ओर से दुश्मन की जासूसी एजेंसी को मुहैया कराए गए दस्तावेजों की एक लिस्ट भी सामने आई है। इसमें भारतीय सेना के उस फॉर्मेशन की गार्ड ड्यूटी की सूची के साथ ही उसकी अपनी फॉर्मेशन की तमाम गतिविधियां भी शामिल थीं, जहां वह सैनिक तैनात था।**

नई दिल्ली, 23 जुलाई। पाकिस्तान को गुप्त सूचनायें देने के मामले में सेना कोर्ट मार्शल ने दोषी सैनिक को 10 साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई है। यह जवान उत्तरी सीमाओं पर सैन्य गतिविधियों के बारे में नई दिल्ली में पाकिस्तान दूतावास के कर्मचारी को सूचनाएं देते हुए पकड़ा गया था। इसे देखते हुए ही इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि, महिला अधिकारी की अध्यक्षता में कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया पूरी हुई। दोषी सैनिक को 10 साल और 10 महीने की जेल की सजा सुनाई गई, जो पाकिस्तानी जासूस को गुप्त सूचना भेजते हुए पकड़ा गया था।

सैनिक दिल्ली में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान के उच्चायोग में कार्यरत पाकिस्तानी नागरिक आबिद हुसैन उर्फ नाइक आबिद के संपर्क में था। सैनिक की ओर से दुश्मन की जासूसी एजेंसी को मुहैया कराए गए दस्तावेजों की भी लिस्ट सामने आई है। इसमें उस फॉर्मेशन की गार्ड ड्यूटी सूची के साथ ही उसकी अपनी फॉर्मेशन की गतिविधियां भी शामिल थीं, जहां वह तैनात था। जवान न करोना लॉकडाउन के दौरान वाहनों की आवाजाही की लिस्ट के साथ-साथ फॉर्मेशन के वाहनों से जुड़ी जानकारियां देने का कोशिश की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, दोषी सैनिक को केवल छोटी-मोटी जानकारियां ही उपलब्ध हो पाती थीं। कोर्ट मार्शल के दौरान कहा गया कि, सेना ऐसी हरकतों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करती। इस तरह के मामले में दोषियों को उचित सजा दी गई है। बता दें कि, सैनिक को कोर्ट मार्शल की ओर से दी गई सजा सीनियर अधिकारियों द्वारा पुष्टि के अधीन होगी।

वहीं दूसरी ओर, दिल्ली हाई कोर्ट ने सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के मानहानि मामले में उन्हें 2 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि, एक न्यूज पोर्टल में प्रकाशित खबर के कारण सेना के अधिकारी की सार्वजनिक तौर पर मानहानि हुई है, समाचार माध्यमों द्वारा इस तरह की गलती बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

दिल्ली हाई कोर्ट ने रक्षा खरीद में भ्रष्टाचार में शामिल होने संबंधी खुलासे के कारण भारतीय सेना के अधिकारी की जो बदनामी हुई, उसे लेकर उन्हें 2 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का फैसला किया है। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने मेजर जनरल एम एस अहलूवालिया द्वारा दायर मुकदमे का फैसला करते हुए शुक्रवार को निर्देश दिया। इसमें कहा गया कि इस राशि का भुगतान समाचार पोर्टल तहलका डॉट कॉम, इसकी मालिक कंपनी मेसर्स बफेलो कम्युनिकेशंस, इसके मालिक तरुण तेजपाल और दो पत्रकारों-अनिरुद्ध बहल व मैथ्यू सैमुअल की ओर से किया जाएगा। अदालत ने कहा कि, किसी ईमानदार सैन्य अधिकारी की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंचाने का इससे बड़ा मामला नहीं हो सकता। प्रकाशन के 23 वर्षों के बाद माफी मांगना न सिर्फ अपर्याप्त बल्कि बेतुका भी है।

क्या आपको कम सुनाई देता है।
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

मिजोरम में आदिवासी मैतेई समुदाय में खौफ का माहौल

मणिपुर की घटना से मिजोरम में मैतेई समुदाय के खिलाफ फैले आक्रोश और धमकियों के कारण इन लोगों में भारी दहशत पैदा हो गई है लोग राज्य से पलायन करने के लिए मजबूर हो गये हैं

- **मिजोरम में कुछ युवा संगठनों द्वारा मैतई समुदाय के लोगों को धमकी दी गई है कि, वे जितना जल्दी हो सके, राज्य छोड़ दें।**
- **कई मैतेई लोग राज्य छोड़ कर चले गए हैं, कुछ लोग हवाई अड्डों और अन्य सुरक्षित स्थानों पर आश्रय लिए हुये हैं। इस विकट स्थिति के बीच मणिपुर सरकार ने कहा है कि, अगर जरूरत पड़ी तो चार्टर प्लेन से मैतेई समुदाय के लोगों को सुरक्षित मणिपुर वापस लाया जाएगा।**

आइजोल, 23 जुलाई। मणिपुर में दो कुकी-ज़ोमी महिलाओं को निर्वस्त्र करने और उनके साथ यौन उत्पीड़न करने के वीडियो के बाद पैदा हुए आक्रोश ने मिजोरम में रहने वाले मैतई समुदाय में दहशत पैदा कर दी है। मिजोरम में कुछ युवाओं द्वारा मैतई समुदाय के लोगों को धमकी दी गई है कि, वे जितना जल्दी हो सकें, राज्य छोड़ दें। हालात ये हैं कि मैतई के लोगों ने राज्य से पलायन करना भी शुरू कर दिया है। शनिवार को कई लोग राज्य छोड़ कर चले गए। कुछ हवाई अड्डों और सुरक्षित स्थानों पर आश्रय लिए हैं। इस विकट स्थिति के बीच मणिपुर सरकार ने कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो चार्टर उड़ान से उन्हें सुरक्षित लाया जाएगा।

दरअसल, मिजोरम के मिजो लोगों का मणिपुर के कुकी-ज़ोमिस के साथ एक गहरा जातीय बंधन है और पड़ोसी राज्य में इन समुदायों के विकास पर भी करीब से नजर रखते हैं। बीते 3 मई को हिंसा शुरू होने के बाद से मणिपुर के 12,585 कुकी-ज़ोमी लोगों ने मिजोरम में शरण मांगी है। मिजोरम में पीस एकॉर्ड एम.एन.एफ. रिटर्नीज़ एसोसिएशन (पी.ए.एम. आर.ए.) मिज़ो नेशनल फ्रंट मिलिटेंट्स का एक इकाई संगठन है। यह संगठन कुकी और जोमी समुदाय की महिलाओं के साथ हुई अमानवीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्विटर का ''लोगो'' बदलेगा

वॉशिंगटन, 23 जुलाई (वार्ता/स्पूतनिक)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्विटर' का लोगो 'चीड़िया' बहुत जल्द 'उड़' जायेगी और नये लोगो में 'एक्स' शामिल हो सकता है।

ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने रविवार को ट्वीट करके कहा कि, इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (ट्विटर) का ''लोगो'' बदल जायेगा। मस्क ने कहा,जल्द ही हम ट्विटर ब्रांड और धीरे-धीरे सभी पक्षियों को अलविदा कह देंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'सभी पक्षियों' को अलविदा कहते हुए अपना लोगो बदल देगा।

उन्होंने ट्वीट किया,अगर आज रात एक अच्छा 'एक्स' लोगो पोस्ट किया जाता है, तो हम कल इसे दुनिया भर में लाइव कर देंगे।

वे ट्विटर को खरीदने के बाद एक के बाद एक नए बदलाव कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कहा ट्विटर पर डायरेक्ट मैसेज (डी.एम.) करने के लिए भी पैसे देने होंगे। अरबपति उद्यमी ने बाद में लिखा कि वह चाहते हैं कि नया लोगो हम सभी की उन खामियों को मूर्त रूप दे जो हमें अद्वितीय बनाती हैं।

उन्होंने अक्टूबर 2022 के अंत में, ट्विटर के 44 अरब डॉलर के अधिग्रहण को अंतिम रूप दिया। यह वर्ष 2006 में स्थापित एक अमेरिकी कंपनी थी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने रविवार को ट्वीट करके कहा कि, इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (ट्विटर) का ''लोगो'' बदल जायेगा। ट्विटर के ''लोगो'' में चिड़िया को हटाकर इसके स्थान पर ''एक्स'' शामिल कर लिया जायेगा।**

अस्पताल में ऑक्सीजन सप्लाई ठप्प होने से 8 मरीजों की मौत

नेल्लोर, 23 जुलाई। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर शहर के एक सरकारी अस्पताल में दिल दहला देने वाली घटना हुई है। खबर है कि ऑक्सीजन की कमी के कारण आठ मरीजों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, मृतक के परिजनों ने ऑक्सीजन की कमी के लिए अस्पताल अधिकारियों को जिम्मेदार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **आंध्र प्रदेश के नेल्लोर शहर के एक सरकारी अस्पताल में यह घटना हुई। अस्पताल प्रबंधन ऑक्सीजन सप्लाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कमी से इन्कार कर रहा है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में एक साथ हुई मौतें साफ लापरवाही की ओर इशारा कर रही हैं।**

भाजपा को लग सकता है झटका, जातिगत जनगणना का जाल क्यों बिछा रहा विपक्ष?

- **विपक्ष का मानना है कि, अगर जातिगत जनगणना हुई तो भाजपा का हिंदू वोट बैंक बिखर जाएगा, इसलिए बैंगलुरु में हुई बैठक में विपक्ष ने एक बार फिर जातिगत जनगणना की मांग दोहराई गई थी।**
- **देखा जाये तो जातिगत जनगणना की मांग कोई नई नहीं है, लेकिन विपक्ष इसे 2024 के लिए एक हथियार के रूप में देख रहा है।**
- **वहीं भाजपा को इस बात का डर है कि, जातिगत जनगणना के बाद कहीं अगड़ी जातियों का वोटबैंक उसके हाथ से फिसल ना जाए। भाजपा का एक बड़ा हिंदू वोटबैंक है जिसमें सवर्ण वर्ग शामिल है। वहीं पिछड़ी जातियों का वोट बंटा हुआ है।**

नई दिल्ली, 23 जुलाई। बैंगलुरु में दो दिनों की बैठक के बाद साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक बार फिर विपक्ष ने जातिगत जनगणना की मांग दोहराई थी। वैसे तो जातिगत जनगणना की मांग कोई नई नहीं है लेकिन विपक्ष इसे 2024 के लिए एक हथियार के रूप में देख रहा है। वहीं भाजपा को इस बात का डर है कि कहीं अगड़ी जातियों का वोटबैंक उसके हाथ से फिसल ना जाए। भाजपा का एक बड़ा हिंदू वोटबैंक है जिसमें सवर्ण वर्ग शामिल है। वहीं पिछड़ी जातियों का वोट बंटा हुआ है।

2010-11 की जनगणना में जातिगत जनगणना करवाई गई थी लेकिन आंकड़े आज तक नहीं जारी किए गए। कर्नाटक में भी साल 2015 में जातिगत जनगणना करवाई गई पर आंकड़े नहीं जारी किए गए। बिहार में नीतीश कुमार की सरकार ने जातिगत सर्वे कराना शुरू किया था लेकिन अब यह मामला अदालत में है। खास बात यहा है कि जब नीतीश ने यह फैसला किया तब भाजपा उसकी सहयोगी थी। हालांकि अब भाजपा से अलग होकर नीतीश ने आर.जे.डी. के साथ सरकार बना ली है।

जातिगत जनगणना से एक समस्या भी सामने आ सकता है। दरअसल अगर इस तरह जनगणना होती है तो आरक्षण का संकट गहरा जाएगा। इन आंकड़ों के आधार पर आरक्षण की मांग की जाएगी। देश में आरक्षण के लिए लंबे समय से आंदोलन होते रहे हैं। ऐसा भी हो सकता है कि आरक्षण को लेकर कई आंदोलन खड़े हो जाएं। वहीं जानकारों का कहना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजीत डोभाल चीन और रूस को पढ़ायेंगे शांति का पाठ, जोहानिसबर्ग में उच्चस्तरीय बैठक में शामिल होंगे

इस बैठक का एजेंडा यूक्रेन युद्ध, इंडो-पैसिफिक, धार्मिक कट्टरपंथ और आतंकवाद जैसे अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करना है

- **डोभाल चीन के वरिष्ठ राजनयिक यांग जिएची और रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव निकोलाई पेत्रुशेव सहित अन्य लोगों से मुलाकात करेंगे**
- **एन.एस.ए. स्तर की इस बैठक में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तहनून बिन जायद अल नाहयान और सऊदी अरब के एन.एस.ए. मुसाद बिन मोहम्मद अल ऐबान जैसे विशेष आमंत्रित सदस्य भी भाग लेंगे।**

नई दिल्ली, 23 जुलाई। नैशनल सिक्यूरिटी एडवाइजर (एन.एस.ए.) अजीत डोभाल सोमवार को जोहान्सबर्ग (साउथ अफ्रीका) में होने वाले ब्रिक्स देशों के एन.एस.ए. मीटिंग के मौके पर वरिष्ठ चीनी राजनयिक यांग जिएची और रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव निकोलाई पेत्रुशेव सहित अन्य लोगों से मुलाकात करेंगे। 22 से 24 अगस्त के बीच ब्रिक्स देशों के होने वाले शिखर सम्मेलन से पहले एन.एस.ए. स्तर की ये बैठक काफी अहम है क्योंकि इसका एजेंडा यूक्रेन युद्ध, इंडो-पैसिफिक, धार्मिक कट्टरपंथ और आतंकवाद जैसे वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करना है।

एन.एस.ए. स्तर की इस बैठक में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तहनून बिन जायद अल नाहयान और सऊदी अरब के एन.एस.ए. मुसाद बिन मोहम्मद अल ऐबान जैसे विशेष आमंत्रित सदस्य भी भाग लेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, एन.एस.ए. डोभाल ब्रिक्स रूब्रिक के तहत अपने समकक्षों से मिलेंगे, लेकिन द्विपक्षीय रूप से उनके और यांग जिएची के बीच भी बातचीत होगी। यांग जिएची चीन में विदेश मामलों का आयोग के पूर्व निदेशक हैं। दोनों नेताओं की यह मुलाकात मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीनी सैनिकों की आक्रामकता के मद्देनजर अहम मानी जा रही है।

बता दें कि अभी भी पूर्वी लद्दाख में स्थिति अनिश्चितताओं से भरी है। हालांकि, वहां हालात अभी नियंत्रण में है और भारत और चीन सैन्य और राजनयिक चैनलों के माध्यम से लगातार एक-दूसरे के संपर्क में हैं। दूसरी तरफ, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पी.एल.ए.) अभी भी पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एल.ए.सी.) से पीछे नहीं हटी है, हालांकि गलवान, गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स और पैंगोंग त्सो झील क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी हो गई है।

इधर, पी.एल.ए. ने दौलत बेग ओल्डी सेक्टर के इलाकों में तैनाती बढ़ा दी है और अभी भी भारतीय सेना को देपसांग बुलगे क्षेत्र के साथ-साथ डेमचोक में चार्डिंग निंगलुंग नाला (सी.एन.एन.) जंक्शन पर वैध रूप से गश्त करने की अनुमति नहीं दे रही है।

उम्मीद है कि एन.एस.ए. डोभाल चीनी राजनयिक के समक्ष एल.ए.सी. के पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्र में तनाव कम करने का मुद्दा उठा सकते हैं। हालांकि, द्विपक्षीय बातचीत से बहुत कम नतीजे निकलने की उम्मीद है क्योंकि पी.एल.ए. को अभी भी उन छह संयुक्त सशस्त्र ब्रिगेड वापस भेजने हैं जिनकी तैनाती 2022 में नैशनल पार्टी कांग्रेस के दौरान की गई थी। इन छह ब्रिगेडों को अति-संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर और अरुणाचल प्रदेश सेक्टर, विशेषकर तवांग में तैनात किया गया है। पूर्वी क्षेत्र में पी.एल.ए. के नए खतरे के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आंध्र प्रदेश में भगवान श्रीराम की 108 फीट ऊँची प्रतिमा

नई दिल्ली, 23 जुलाई (वार्ता)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आंध्रप्रदेश के कुरनूल में भगवान राम की 108 फुट ऊंची प्रतिमा का वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शिलान्यास किया।

- **गृह मंत्री अमित शाह ने कुरनूल में 500 करोड़ की लागत से तैयार हो जा रही भगवान श्रीराम की 108 फीट ऊंची प्रतिमा का वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शिलान्यास किया।**

इस अवसर पर अमित शाह ने कहा कि, आज कुरनूल के मंत्रालयम गांव में 500 करोड़ रुपये से अधिक लागत की राम की भव्य पंचलोहा प्रतिमा का शिलान्यास हुआ है। उन्होंने कहा , मंत्रालयम में स्थापित यह 108 फीट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)